Naidunia (Indore), 23rd December 2024, Naidunia City, Page- I

'सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए पदार्थ भी हों उसके अनुरूप'

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए आवश्यक पदार्थों पर आधारित पहली अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी (आइएसएमएसडी 2024) आयोजित की गई। इसमें उन पदार्थों पर चर्चा हुई जिनके उपयोग से सस्टेनेबल डेवलपमेंट की अवधारणा को साकार किया जा सके। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि टाटा स्टील रिसर्च एंड डेवलपमेंट जमशेदपुर के चीफ प्रोसेस रिसर्च डा. सिद्धार्थ मिश्रा थे।

आयोजन में प्रो. विनोद कुमार ने कहा कि हमें सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लक्ष्य को समझना, पहचानना होगा और उसके अनुरूप कार्य शुरू करना होगा। इसके लिए उन नए पदार्थों की जरूरत है जो सस्टेनेबेल हों। इसके लिए शोध, अनुसंधान और नए प्रयोग की आवश्यकता है। कार्यक्रम में भारत, ब्रिटेन, रूस, फिनलैंड, थाईलैंड और मलेशिया के प्रतिष्ठित शोधकर्ताओं और उद्योग जगत के लोगों ने अपने-अपने विचार रखे।

संगोष्ठी में आर्गेनिक पालिमर, अगली पीढ़ी के इलेक्ट्रानिक्स और उन्नत धातु पदार्थ विषयों पर बातचीत की गई। स्टील और कंक्रीट जैसे मौजूदा पदार्थों पर भी उनके कार्बन उत्सर्जन को कम करने और उनकी स्थिरता में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रो. संदीप चौधरी ने कहा कि यह परियोजना स्थायी कंक्रीट निर्माण में युवा शोधकर्ताओं को प्रेरित करने पर केंद्रित है।

प्रशिक्षण के लिए किया विश्वविद्यालय का दौरा

आइआइटी इंदौर और प्लायमाउथ विश्वविद्यालय के बीच दो दीर्घकालिक अंतरराष्ट्रीय छात्र विनिमय कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जहां प्रत्येक विश्वविद्यालय के छात्रों ने स्थायी कंक्रीट निर्माण के क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए एक-दूसरे के विश्वविद्यालय का दौरा किया।